SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री नरेन्द्र बुढ़ानिया (राजस्थान): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

†**چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش) :** سر، میں بھی اس موضوع کے ساتھہ خود کو سمبدّھہ کرتا ہوں۔

Suicide committed by a girl student being unable to pay the fee in a private school

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं आपके सामने एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लाना चाह रही हूँ। आजकल प्राइवेट स्कूल्स मशरूम की तरह हर कस्बे, हर जिले और हर तहसील में खोले जा रहे हैं। वे लोगों की भावनाओं से खेलते हैं और उनकी फीस बहुत ज्यादा होती है। हर गरीब परिवार यह चाहता है कि उनका बच्चा उन स्कूलों में पढ़े और अच्छी शिक्षा ले। इसका एक उदाहरण मैं आपके सामने देने जा रही हूँ। ग़ाजियाबाद के एक प्राइवेट स्कूल में एक लड़की जसमीन तोमर पढ़ती थी, जिसके पिताजी स्कूल की दो महीने की फीस नहीं दे सके। इस पर टीचर्स ने उसके घर में जाकर उसके पिताजी के साथ बुरा व्यवहार किया, उनको बुरा-भला कहा और उल्टा उसके पिताजी के ऊपर ही केस कर दिया कि इन्होंने टीचर्स को छेड़ा है या मिसबिहेव किया है। इस पर पुलिस उसके पिताजी को पकड़कर ले गई। इतना ही नहीं, उस स्कूल के प्रिंसिपल ने उस लड़की से कहा कि तुम्हारे पिताजी जेल चले गए, अब तुम सड़कों पर भीख माँगोगी। इसका उस लड़की के ऊपर इतना असर पड़ा कि इस घटना ने उसको आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया और उस लड़की ने आत्महत्या कर ली।

† Transliteration in Urdu script.

सर, मैं आपसे कहना चाहती हूँ कि अभी महिलाओं के ऊपर अत्याचार की बात हो रही थी। हम रोज़ यह खबर पढ़ रहे हैं कि हर जगह यह अत्याचार हो रहा है। कहीं पर बलात्कार हो रहा है, कहीं पर उनको गाड़ियों से निकालकर उनके साथ अत्याचार किया जा रहा है। इस चीज़ को रोकना हमारी संसद के लिए बहुत जरूरी हो गया है, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि इसके ऊपर केवल lip-service न की जाए, बल्कि इसके ऊपर पूरा ध्यान दिया जाए। ये जो प्राइवेट स्कूल्स खुल रहे हैं, इनके बारे में मैं शिक्षा मंत्री जी से कहूँगी कि जो नई पॉलिसी बन रही है, उसमें भी वे इस बात का ध्यान रखें और इनके ऊपर एक अंकुश लगाया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

PROF. M.V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI VIVEK K. TANKHA (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. BANDYOPADHYAY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री नरेन्द्र बुढानिया (राजस्थान): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करती हूँ।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

Concern over increase in food adulteration in the country

श्री मो. नदीमुल हक़ (पश्चिमी बंगाल): सर, मैं आज एक बहुत जरूरी सब्जेक्ट पर बात करना चाह रहा हूँ, जिसका शीर्षक है - Adulteration in Food. सर, पहले सब्जी घी में बनती थी, लेकिन अब घी भी सब्जी से बन रहा है। अभी दशहरा पूजा और दिवाली आने में ज्यादा समय नहीं है, दो-तीन